

Handschrifftliches.

Die Lucianischen Handschriften auf der Marcusbibliothek zu Venedig.

(Nachtrag zu Luciani codicum Marcianorum lectiones. Edidit
Iul. Sommerbrodt. Berol. apud Weidmannos MDCCCLXI.)
Luciani Navigium s. Vota.

Ed. Teubn.
cap. 1. καὶ ποιεῖν
πέρα τοῦ μέτρου
μέτρον

Cod. 434.

om. καὶ
πέραν τοῦ μετρού
om.

Ed. Teubn.

cap. 1. εἰς Ἰταλίαν
κατὰ ἄλλο
Νῆ Αἴα
οὐκ οἶδε ὅπου
μετὰ σὲ δὲ
παρέπεμψε
cap. 2. μακρὰ χαίρειν
πρόχειλος
ἔλευθερον
cap. 3. εὐγενεῖας
Ἄγνυπτίας
ἔστε πρὸς τὸ ἐφηβικὸν
cap. 4. τὰς ἐπιβολὰς
ἄνω
ἔκεινον
cap. 5. παράσιον
κατὰ τὴν πρόμναν
ἔναιστον
ἔσωξεν
Ἡρών
cap. 7. κατήγαγε
ἔβδομαῖους
πλαγίους
ἔκειθεν δὲ
περιπεσόντας
Χελιδονέας
διὰ τοῦ Ἀνλῶνος
cap. 8. ἀπόξυροι
παραθηγόμεναι
κυματωγῆν
τῷ σκοπέλῳ
cap. 9. ἀναδεῖξαι
ἀπὸ τῆς Λυκίας
ώς γνωρίσαι
Διοσκούρων τὸν ἔτερον
ἐπικαθίσαι
κατευθῦναι
ἔς τὸ πέλαγος
ἔτησιας
ἔς Πειραιᾶ
ὑπὲρ τὴν Μαλ.
cap. 10. δυεῖν
ἐπιτείνωμεν
cap. 11. ἐματίου σε λαβ.
ὑπελθοῦσα — λογισμῷ
ἀποβλέποντα
ὄκνησης
καὶ στέγειν
πρὸς ὑμᾶς
cap. 12. τρυφῆς
φασι

Ἴταλία οι. εἰς
κατὰ ἄλλο
μὴ Αἴα
οὐκ οἶδα ὅπου
οι. δὲ
παρέπεμπε
μακρὰν χαίρειν
πρόχειρος
ἔλευθερον
εὐγενὲς
αἴγυπτοις
ἔς τε τὸ προεφηβικὸν
ἔπιβοντας οι. τὰς
οι.
οι.
παράσιον
μετὰ τὴν πρ.
ἔναισται
οι.
ῆρως
κατήγαγον
ἔβδομαῖος
πλαγίως
ἔκειθεν τε
οι.
Χελιδονέα
οι.
ἀπόξυροι
παραθηγόμεναι
κυμαγωγῶν
αὐτῷ σκοπέλῳ
ἀναδεῖξαι λαμπρὸν
λαμπρὸν ἀπὸ τῆς Λυκίας
καὶ γνωρίσαι
Διοσκούρω οι. τὸν ἔτερον
ἐπικαθῆσαι
καταθῦναι
ἔς τὸ πέλαγος
αἰτησίας
ἔς Πειραιᾶ
ὑπὲρ τὸν Μ.
δυοῖν
ἐπιτείνω
ἐματίου σου λαβ.
οι.
ὑποβλέποντα
ὄκνησεις
καὶ σε γᾶν
πρὸς ὑμᾶς
τῆς τρυφῆς
φησι

Ed. Teubn.

Cod. 434.

| | |
|---------------------------|-----------------------------|
| cap. 13. παρὰ τὸν Ἰλισσὸν | παρὰ τὴν Ἰλιππον |
| ἀφεὶς | ἀφ ἡς |
| κατέδυσας | κατέδυσε |
| ἀνέστρεψας | ἀνέστρεψας |
| cap. 14. καὶ ταῦτα | ομ. ταῦτα |
| ἄλλα δρα | ἄλλ δρα |
| παραμυθῆσομαί σου τὸ πτ. | παραμυθῆσωμαί σε τὸ πταισμα |
| εἰ καὶ | ομ. εἰ |
| ἥμεις δὲ | ἥμεις δὲ |
| τὴν Ισιν | ομ. τὴν |
| cap. 15. προεισελθῶν | προεσελθῶν |
| ἥμεις γε | ἥμεις τε |
| πρώτην καὶ ἐς Αἴγιναν | πρῶτον εἰς Αἴγιναν |
| προεισελθῶν | προεσελθῶν |
| οὐδὲ οἰσθα | οὐ γάρ |
| cap. 16. τὸ λοιπόν ἔστι | τῶν λοιπῶν ομ. ἔστι |
| αἰτῶμεν | αἰτοῦμεν |
| εὐφραγνύμεδα | εὐφραγνύμεδα |
| ὑποκεισθωσαν παρέξοντες | παρέξοντες ὑποκεισθωσαν |
| cap. 17. πρὸ τοῦ Λιπύλου | πρὸς τὸ Λιπ. |
| cap. 18. τὸν παῖδα | ομ. |
| τὸν κομῆτην | ομ. τὸν |
| δὲ ἀριθμος | ομ. δὲ |
| cap. 19. τοῦτο ἔγωγε | ομ. τοῦτο |
| ἥμετερα | ἥμετερα |
| προσκομισθῆναι | προσκομισθῆναι |
| τὸν νεώντον | ομ. |
| cap. 20. ὠνησάμην | ὠνησάμην |
| εἴ ποτε δή | εἴ ποτε δὲ |
| τὸ Σικυώνιον π. | τὸ συκιόνιον π. |
| ἔστω | ἔσται |
| cap. 21. Σισύφειον | σισύφιον |
| εὔχην | ἔρχην |
| πλούτῶν | πλούτω |
| cap. 22. ἀλουργὸς | ομ. |
| π. γε αὐτοῖς | π. γε αὐτὸι |
| προσαραξάτωσαν | προσαραξάτωσαν |
| δόξῃ, προκύψας | ομ. |
| τις πένης | ομ. |
| οῖος | οῖς |
| φιλοφρονήσομαι | φιλοφρονήσαιμι |
| ὅσον δισχιλίους | ὅσους δ. |
| cap. 24. θαυμάσια | δημόσια |
| δὲν ἐκ τοῦ Κερ. | οὐν ἐκ τοῦ Κ. |
| cap. 25. ὑμῖν | ἡμῖν |
| ἐς ὑπερβολὴν | δὲ ὑπερβολὴν |
| cap. 26. γυνψὶ | ομ. |
| ἐκπειδόντες | ἐκ c. lacuna |
| cap. 27. ἀφῷ | ομ. |
| Φαινομάχῳ | φαινομάχῳ |
| καὶ ληστὰς | ἢ ληστὰς |

| | |
|------------------------------|---------------------|
| Εδ. Τευθν. | Cod. 434. |
| cap. 27. αἴτιος ὁ θησαυρὸς | ὁ θησαυρὸς |
| σὺ μοι | μοὶ σύ |
| ἔτι λῆψῃ | οὕτι λῆψη |
| cap. 28. ἦν γε | ἦν τε |
| εἴ τις αλλος | ομ. ἄλλος |
| παρὰ πατρὸς | παρὰ τοῦ πατρὸς |
| ἐπ' ἄλλῳ | ἐπ' ἄλλους |
| τὸ ὄπλιτικὸν | ομ. τὸ |
| cap. 29. ἄμοστος | ομ. |
| μείζονα | μείζον |
| τὸ κεφ. αὐτὸ | ομ. αὐτὸ |
| τοιούτον ἡμῖν | ομ. ἡμῖν |
| cap. 30. εἰς τὸ Περσικὸν | ἐς τὸ Περσικὸν |
| τιμῶν | τερμῶν |
| καὶ οὐδὲ | ομ. καὶ |
| ἔξενέγκῃ | ἔξενεγκεῖν |
| ἐς μέσους τοὺς πολεμείους | ἐς μέσον τ. π. |
| ἔφίπτιον | ἔφίπτειον |
| εἰ μέλλω | εἰ μέλλων |
| τε ἄνω καὶ κάτω | ἄνω τε καὶ κάτω |
| cap. 31. σε | ομ. |
| τοὺς ἐππέκαις | ομ. |
| ἔχετω | ἀρχέτω |
| οὐτοσὶ | οὐτωσὶ |
| cap. 32. προσίωμεν | προσίωμεν |
| διαβάλλωμεν | διαλάβωμεν |
| Ιωνίαν | Ιωνίαν |
| διὰ Καρίας | ομ. διὰ |
| Πισιδῶν | Πισιδῶνα |
| ἄχοις ἀν | ἄχοις ἀν |
| cap. 33. Ἐμὲ | ἐμὲ γάρ |
| ἐπὶ Αρμενίους | ομ. |
| ἐς τὰ γυμνὰ | ὸστὰ γυμνὰ |
| ἢ Βακτρα | καὶ Βακτρα |
| ἀποτεμῆσθαι | τετμῆσθαι |
| ἡμῖν ἐν τοσούτῳ | ἐν τούτῳ ομ. ἡμῖν |
| cap. 34. παρῆλθομεν | ομ. |
| ἐππέκαις τε | ομ. τε |
| cap. 35. τὴν ἐπὶ Κτησιφῶντος | τὴν τοῦ Κτ. |
| γενόμενος | ἀπαγόμενος |
| σὺ δὲ τί — δοκιμάζεις | ομ. τί |
| κατὰ μεσημβρίαν γάρ | ομ. γάρ |
| ἀντετραχυμένης | ἀναγεγραμμένης |
| ἀναπαυσισθαι | ομ. |
| τὸ λοιπὸν | καθισαι στρατιώταις |
| στρατιώταις κάθησαι | ομ. |
| Εὐ γε | ομ. |
| καὶ — γυνάμην | Πρόσιμεν δὲ |
| cap. 36. Πρόσιμεν δὴ | ἔσεσθαι |
| ἔσεσθε | προσδῆτε |
| προδώσετε | δταν |
| ἔπειδαν | |

Ed. Teubn.

Cod. 434.

| | |
|--------------------------|--------------------|
| cap. 36. ἀλαλάξαντες | ἀλλάξαντες |
| ὄντας | ομ. |
| cap. 37. τὸ τρωθῆναι | ομ. τὸ |
| ἐπιπόλαιον μέν μοι | ἐπιπόλαιον μέν σοι |
| cap. 38. ὑμῶν | ἡμῖν |
| καὶ καθαρήσω | καθαρήσω ομ. καὶ |
| αὐτὸν | οὐτὸν |
| ἔτι | ἥδη |
| cap. 39. σοι η ἀρχή | σε η ἀρχή |
| ὅπερ ἄν | ὅπερ ἔτιν |
| καὶ μῆσος | ομ. |
| χρυσῷ | ομ. |
| τῶν πολεμίων | ομ. τῶν |
| τι ἔθνος | τοι ἔθνος |
| ἡ ἐπελαύνουσι | ἡν ἐπελαύνωσι |
| τῶν ἔξω | ομ. |
| cap. 40. δι πυρετὸς | ομ. δι |
| εὐγραμμον | ἄγραμμον |
| ἀνέπαισθητα | ἀναπαισθητα |
| νεφ | νεώς |
| παραμένῃ | παραμένῃ |
| cap. 41. οὐκ αἰτήσομει | ομ. |
| cap. 42. καὶ τοιούτους, | ομ. καὶ |
| ἀεὶ ἐρρῶσθαι | εὐ ἐρρῶσθαι |
| πρὸς τοῦτο | πρὸς τοῦτω |
| μοι | με |
| cap. 43. ἔστω | ἔσται |
| καὶ ὅτῳ — στόμα | ομ. |
| ἐπιμεμηνέαι | ἐπιμεμῆναι |
| ὑπερօρφην | ὑπερօρφῶ |
| cap. 44. μὲ ταῦτα ἔχοντα | ομ. με |
| τὰ τῶν ἄλλων | ομ. τὰ |
| ἀνοίγειν τε | ομ. τε |
| ἐν Ἰνδοῖς | ἐν Ἰνδοῖν |
| ἐπιπετόμενος | πεπόμενος |
| ἀπάντων | ἀπαντα |
| εἰ τινες | οὐ τινες |
| τῆς γῆς | ομ. τῆς |
| εἰ τύχοι | εἰ τύχοιμι |
| τούς τε αὐτοὺς φίλους | ομ. τε |
| ὑβριστής | πόρνος |
| τῶν κρητικῶν. | ομ. τῶν |
| διμιλεῖν ἄν εἶται | διμιλοίεν ἄν εἶται |
| κομίσαντα | κομῆσαι (sic) |
| οἴσον δὲ | οἴον δὴ |
| cap. 45. ὑπερέπτης | ὑπερόπτης |
| ἐπέραστον | ἐπέραστον |
| δάκτυλον | δακτύλιον |
| ἀναγκαιοτάτου | ἀναγκαίον |
| προσδεῖ | πρὸς διός |

Ed. Teubn.

cap. 45. ὅς περιθ.

σε

cap. 46. οὐα

ἐν Συρίᾳ

ἔμοὶ

μετ' ὀλίγον

ἀνεγρόμενοι

λιμωττοντες

πρὸς ὀλίγουν

τὰ ἐπὶ τῆς οἰκίας

μάλισται σὺ

ἀντὶ πάντων

Cod. 434.

om. ὅς

om.

om.

om. ἐν

ἔμοις

om.

ἀνεγειρόμενοι

λιμώττουσιν

πρὸς ὀλίγον

τὰ ἐπὶ τὰς οἰκίας

om. σὺ

ἀπὸ πάντων

J. Sommerbrodt.